राज्यपाल सचिवालय, बिहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

युवा–पीढ़ी आज भविष्य–निर्माण के सिर्फ सपने ही नहीं देखती, सपनों को साकार करना भी जानती है–राज्यपाल

पटना, 12 जून 2017

''भारत आज एक पूर्ण युवा राष्ट्र है। युवा राष्ट्र इस अर्थ में कि यहाँ की 65 प्रतिशत से अधिक की आबादी युवाओं की आबादी है। हम आज अत्यंत गौरवान्वित हैं और आत्मबल से पूरी तरह सम्पन्न भी। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि आज भारतीय युवाओं ने अपने मजबूत कंधों पर राष्ट्रीय निर्माण का दायित्व उठा लिया है।'' –उक्त उद्गार, महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द ने स्थानीय ज्ञान भवन के सभागार में आयोजित 'पाटलिपुत्र राष्ट्रीय युवा संसद' के समापन–समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किये। राज्यपाल ने कहा कि जिस राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत वहाँ की युवा–शक्ति हो, वह राष्ट्र अपने समग्र और सर्वतोन्मुखी विकास के प्रति आश्वस्त रह सकता है। श्री कोविन्द ने कहा कि युवाओं की प्रतिभा और परिश्रम पर हमें गर्व है। आज की युवा–पीढ़ी अपने भविष्य के निर्माण के सिर्फ सपने ही नहीं देखती, उन सपनों को साकार करना भी जानती है।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री कोविन्द ने कहा कि 'पूंजीवाद' और 'बाजारवाद' ने 'भौतिकतावाद' को इस तरह फैला रखा है कि मनुष्य की अस्मिता ही संकटग्रस्त दीखती है। 'मानवता' ही नहीं बचेगी, मनुष्य के सपने ही नहीं बचेंगे, तो दुनियाँ के सँवरने की उम्मीद कैसे की जाये? उन्होंने पंजाबी कवि पाश को उद्धृत करते हुए कहा कि –''सबसे खतरनाक होता है, हमारे सपनों का मर जाना।'' श्री कोविन्द ने कहा कि कौन कहता है कि सपने अपने नहीं होते। मन में अगर दृढ़ निश्चय हो तो कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। राज्यपाल ने स्वामी विवेकानन्द के संदेशों की ओर युवाओं का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि चरित्रवान, बुद्धिमान, त्यागी और परोपकारी युवाओं की देश और समाज को बेहद जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज हमें ऐसे धर्म की आवश्यकता है जो हमें एक संवेदनशील मनुष्य बनाये।

राज्यपाल ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आज भारतीय राजनीति की गतिविधियों में युवाओं को न सिर्फ गहरी दिलचस्पी रखनी चाहिए, बल्कि इसमें उन्हें सक्रिय भूमिका भी निभानी चाहिए, ताकि उनकी आवाज विधानमंडलों और संसद तक संजीदगी से पहुँच सके।

राज्यपाल ने कार्यक्रम के दौरान कई युवाओं को पुरस्कृत भी किया। समारोह को इंडिया फाऊन्डेशन के श्री गुरू प्रकाश, एल॰आई॰सी॰ के अधिकारी श्री सी॰ विकास राव, श्री शायण कुणाल, श्री अभिनव झा आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में श्री किशोर कुणाल, श्री निर्भय भारद्वाज, श्री मणिभूषण झा, श्री कुमार शानू आदि भी उपस्थित थे।

....